

उपादान/भौतिक सुख 10. विषय भोग, स्त्री-पुरुष का समागम 11. स्थान, वस्तु, पदार्थ 12. किसी ग्रंथ में सम्मिलित सामग्री/मद जैसे- विषय-सूची, मजमून 13. प्राचीनकाल में जिला जैसी एक प्रशासनिक इकाई 14. पद्य आदि में पाँच की संख्या।

विषय-अनुक्रमणिका स्त्री. (तत्.) किसी ग्रंथ/प्रकाशित सामग्री में शामिल विषयों/अंतर्वस्तु की सूची, विषय-तालिका, क्रमबद्ध विषय-सूची।

विषयक वि. (तत्.) 1. विषय संबंधी, किसी निर्दिष्ट विषय से संबंधित 2. जो विषय के रूप में हो।

विषय-कर्म पुं. (तत्.) सांसारिक काम-धंधे।

विषयगामी पुं. (तत्.) बुरे अथवा खराब रास्ते पर चलने वाली, कुमार्गी, चरित्रहीन।

विषय-तालिका स्त्री. (तत्.) विषय सूची, किसी ग्रंथ सामग्री में शामिल विषयों/अध्यायों की सूची जिससे यह पता चले कि इसमें शामिल अंतर्वस्तु क्या है।

विषय-निरत वि. (तत्.) विषय/भोग विलास में संलग्न/ लीन/रत।

विषय-निष्ठ वि. (तत्.) 1. जिसका संबंध ज्ञानेंद्रियों या बुद्धि से ग्रहण किए गए तत्व/विषय से हो न कि ग्रहण करने वाले व्यक्ति से 2. ज्ञाता की बुद्धि या मन पर निर्भर न रहने वाला, वस्तुपरक, व्यक्ति निरपेक्ष।

विषयपति वि. (तत्.) प्राचीनकाल में प्रचलित जिला/ क्षेत्र के अधिपति/प्रशासक की उपाधि।

विषय-परक वि. (तत्.) 1. विषयनिष्ठ, वस्तुनिष्ठ, जो वस्तु-सापेक्ष हो न कि व्यक्ति-सापेक्ष 2. किसी विषय से संबंधित।

विषयवस्तु स्त्री. (तत्.) विषय सामग्री, किसी लेख आदि में शामिल अंतर्वस्तु, कथावस्तु काव्य. किसी साहित्यिक कृति की रूप विधान से भिन्न सामग्री जिसमें विचार, कल्पना, घटना, कथा, पात्र आदि शामिल हैं।

विषय-विमुख वि. (तत्.) विषय भोग से विमुख, वैरागी, सांसारिक विषयों से दूर या उनसे उदासीन, विरक्त।

विषय-समिति स्त्री. (तत्.) किसी सम्मेलन/ अधिवेशन/संसद/विधानसभा/परिषद आदि में चर्चा के लिए रखे जाने वाले विषयों/प्रस्तावों का स्वरूप आदि निश्चित करने वाली समिति।

विषय-सूची स्त्री. (तत्.) विषयों की सूची, विषय तालिका।

विषयांत पुं. (तत्.) 1. विषय का अंत 2. विषय (देश, राज्य, जिला आदि) की सीमा।

विषयांतर पुं. (तत्.) 1. किसी विषय के बाद दूसरे विषय पर बोलना या लिखना 2. अपने मूल विषय से भटक जाना, असावधानी, विस्मृति, आवेश आदि के कारण वक्ता अथवा लेखक द्वारा अपने मूल विषय से हट कर दूसरे विषय/प्रसंग पर बोलना या लिखना जो एक साहित्यिक दोष माना जाता है।

विषयात्मक वि. (तत्.) विषय संबंधी, विषय का, विषय के अनुरूप, जो विशिष्ट विषय से संबंधित हो।

विषयासक्त वि. (तत्.) सांसारिक विषय भोगों में लिप्त या आसक्त, विषयभोग लीन/निरत/ विलासी, विषयी, इंद्रिय सेवी।

विषयासक्ति वि./स्त्री. (तत्.) सांसारिक विषय भोगों में लीनता, इंद्रिय सुख में डूबा रहना, विलासिता।

विषयनिष्ठ वि. (तत्.) व्यक्तिनिष्ठ, जिसका संबंध ग्रहण करने वाले व्यक्ति से हो न कि ज्ञानेंद्रियों या बुद्धि से ग्रहीत वस्तु से।

विषयी वि. (तत्.) 1. विषयासक्त, विषय-भोग में रत/लिप्त, विलासी 2. कामुक 3. संसारी व्यक्ति।

विषयैषणा स्त्री. (तत्.) किसी विषय पदार्थ की चाह, विषय कामना।

विषवल्लरी स्त्री. (तत्.) विष बेल, विषैली बेल।

विसविद्या/विषविज्ञान पुं. (तत्.) 1. प्राणिविज्ञान या चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा जिसमें प्राणियों के लिए विषैले पदार्थों आदि के बारे में